



असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 386] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 23, 1980/भाद्र 1, 1902  
No. 386] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 23, 1980/BHADRA 1, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

जावेश

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1980

को.सं. 634(अ)/18 ए/आई वी आर ए/80.—मेसर्स शिवराज फाइन आर्ट लिमिटेड, बक्स, मुद्राघर को, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) अनुसूचित उद्योग अर्थात् 'मुद्रण जिसमें लिथो मुद्रण उद्योग भी सम्मिलित है' में लगा हुआ है और उक्त औद्योगिक उपक्रम के संयंत्र में कोशीय सरकार का अपने कब्जे में वस्तावेजी और अन्य साक्ष्य से यह समाधान हो गया है कि उसे कम से कम तीन मास की अवधि के लिए बंद कर दिया गया है और ऐसे बंद किए जाने से सम्बन्ध अनुसूचित उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और यह कि उक्त औद्योगिक उपक्रम की वित्तीय स्थिति और उपक्रम के संयंत्र और मशीनरी की स्थिति ऐसी है कि उपक्रम को पुनः चालू किया जा सकता है और यह कि इस प्रकार इसे पुनः चालू करना साधारण जनता के हितों में आवश्यक है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते

600 GI/80

(1221)

हुए डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन प्राफ विवर्स लिमिटेड, नागपुर को (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त औद्योगिक उपक्रम का सम्पूर्ण प्रबंध-ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत करती है, अर्थात्:—

- (1) प्राधिकृत व्यक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए सभी निर्देशों का पालन करेगा,
- (2) प्राधिकृत व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेगा ;
- (3) केन्द्रीय सरकार, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझती है तो, प्राधिकृत व्यक्ति की नियुक्ति को पहले भी समाप्त कर सकेगी।

2. यह आदेश इसके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगा।

[क्र० सं० 2(15)/80-सी यू एच]

जी० वी० रामकृष्ण, अपर सचिव

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

#### ORDER

New Delhi, the 23rd August, 1980

S.O. 634(E)/18AA/IDRA/80.—Whereas Messrs Shivraj Fine Art Litho Works, Nagpur (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) is engaged in a scheduled industry, namely, "printing including litho printing industry";

And, whereas, from the documentary and other evidence in its possession, the Central Government is satisfied, in relation to the said industrial undertaking, that it has been closed for a period of not less than three months and such closure is prejudicial to the concerned scheduled industry and that the financial condition of the said industrial undertaking and the condition of the plant and machinery of the undertaking are such that it is possible to re-start the undertaking and that such re-starting is necessary in the interests of the general public ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises the Development Corporation of Vidarbha Limited, Nagpur, (hereinafter referred to as the authorised person), to take over the management of the whole of the said industrial undertaking, subject to the following terms and conditions, namely :—

- (1) the authorised person shall comply with all the directions issued from time to time by the Central Government;
- (2) the authorised person shall hold office for a period of three years from the date of publication of this Order in the Official Gazette;
- (3) the Central Government may terminate the appointment of the authorised person earlier if it considers it necessary, to do so.

2. This Order shall have effect for a period of three years from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 2(15)/80-CUS]

G. V. RAMAKRISHNA, Additional Secy.